महिला प्रौद्योगिकी संस्थान बना राज्य में इसरो का नोडल सेंटर

- इसरो अप्रैल व मई 2024 में स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम का करेगा आयोजन
- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान व प्रौद्योगिकी की जानकारी देना है

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के कैंपस संस्थान महिला प्रौद्योगिकी संस्थान (डब्ल्यूआइटी) को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रदेश का नोडल केंद्र बनाया है। इसरो ने डब्ल्यूआइटी के इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आशीष बगवाड़ी को समन्वयक के रूप में नामित किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अप्रैल व मई-2024 में स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाइव आयोजन महिला प्रौद्योगिकी संस्थान झाझरा नोडल केंद्र के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जानकारी उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण माड्यूल के विशेषज्ञ अंतरिक्ष विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यों व अनुसंधान अवसरों पर लाइव व्याख्यान देंगे। यूटीयू के कुलपति ने कैंपस संस्थान डब्ल्यूआइटी निदेशक को दिए गए निर्देशों के क्रम में महिला प्रौद्योगिकी संस्थान ने इसरो में आवेदन किया, जो इसरो ने स्वीकार कर लिया।

इंजीनियरिंग के छात्र होंगे प्रशिक्षण के पात्र

इसरो के प्रशिक्षण कार्यक्रम के राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में अध्यनरत प्रौद्योगिकी जैसे इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस, रेडियो फिजिक्स, आप्टिकल और आप्टो इलेक्ट्रानिक्स, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व अन्य संबंधित विषयों की स्नातकोत्तर और अंतिम वर्ष के स्नातक इंजीनियरिंग क्षेत्र के छात्र प्रशिक्षण के लिए प्रतिभाग के पात्र होंगे।

इसरो का निर्णय उत्तराखंड के छात्रों को वरदान साबित होगा। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर निदेशक विश्वविद्यालय में उपलब्ध थ्री-डी प्रिंटिंग मशीन का उपयोग छात्राओं की पढ़ाई में कर सकते हैं। डब्ल्यूआइटी के निदेशक यूटीयू के अन्य तकनीकी छात्रों के लिए भी मार्गदर्शक बनेंगे। उत्कृष्ट शिक्षण के लिए प्रयोगशालाओं के समुचित रख-रखाव और प्रयोगात्मक कार्यों के सुचारू संचालन करने में मदद करेंगे।

- प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति यूटीयू